जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. मुमताज अहमद खान*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 24
दिनांक 17.02.2022

बहुआयामी फसलों के उत्पादन पर शोध कृषकों की आय बढ़ाने में होगा कारगर

– डॉ. बिसेन

डॉ. बिसेन ने की कृषि वानिकी प्रक्षेत्र में चल रहे अनुसंधानों की समीक्षा

जबलपुर 17 फरवरी। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग में चल रही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ''सेंट्रल एग्रोफोरेस्ट्री रिसर्च इंस्टीट्यूट झांसी'' द्वारा वित्त पोषित 'एग्रोफोरेस्ट्री परियोजना' के अनुसंधान कार्यो का आज कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने निरीक्षण कर समीक्षा की। विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश बाजपेई ने विस्तृत जानकारी दी। कुलपति डॉ. बिसेन ने शोधरत् वैज्ञानिकों से अपेक्षा की कि कृषि के साथ वानिकी के बेहतरीन तालमेल किसानों खासकर आदिवासी बहुल युवाओं की आय को दोगुना करने में सहायक सिद्ध होगा। छोटे से रकबे में किसान वृक्ष, फसल उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य के तालमेल से पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में महती भूमिका निभाएंगे।

परियोजना प्रभारी डॉ. एस.बी. अग्रवाल ने वानिकी के साथ ही कृषि सहित अनेक फसलों की खेती का आदर्श मॉडल प्रदर्शित किया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि कृषि वानिकी के माध्यम से मुख्य रूप से खमीर के साथ तिलहनी फसल सरसों, आम के साथ अलसी, करंट बबूल व शीशम के साथ गेहूं आदि की अंतर्वती खेती की लाभदायी होगी। इसके साथ ही वृक्षों की पत्तियां, अंतर्वती फसल के नींदा उपरान्त अवशेषों को जलाकर नष्ट करने की जगह प्रक्षेत्र पर ही वृक्षों की छाया में केंचुआ खाद तैयार करने की सफल तकनीक की जानकारी भी प्रदान की गई। बता दें कि केंचुआ खाद जैविक खेती में एक महत्वपूर्ण घटक है जो मृदा के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सक्षम है। यहां शोधरत् छात्रों ने एग्रोफोरेस्ट्री मॉडल के अंतर्गत मृदा, पर्यावरण एवं फसलों का वृक्षों के साथ बेहतर तालमेल से उत्तम उत्पादन का आंकलन किया।

इस दौरान संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी, सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी.बी. शर्मा की मृदा वैज्ञानिक डॉ. शेखर सिंह बघेल, डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. आर.पी. डोंगरे, डॉ. सोलंकी, डॉ. पूर्णिमा सूर्यवंशी, डॉ. शिव रामकृष्णन, डॉ. आशीष गुप्ता, डॉ. शरद विश्वकर्मा, डॉ. सौरभ सिंह तथा अनुसंधान कार्यों में संलग्न छात्र एवं छात्राओं की उपस्थिति रही।

–000–